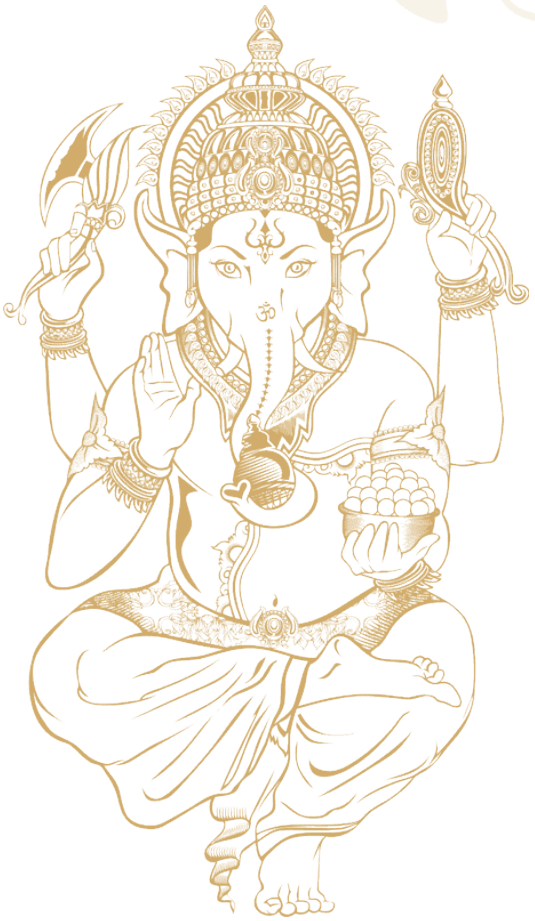

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121268810

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/02/1991	जन्म तिथि	30-31/01/1993
मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	03:20:00 घंटे
घटी 12:37:47	जन्म समय(घटी)	50:23:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:53	सूर्योदय	07:10:40
18:12:50	सूर्यास्त	17:58:29
23:44:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 0मा 29दि	13:58:05	वृष	लग्न	वृश्चि	19:29:32	शुक्र 15वर्ष 1मा 27दि
चन्द्र	06:22:07	कुंभ	सूर्य	मक	17:16:12	मंगल
21/03/2023	01:44:55	मेष	चंद्र	मेष	16:33:40	29/03/2024
20/03/2033	15:45:56	वृष	मंगल व	मिथु	16:27:09	30/03/2031
चन्द्र 19/01/2024	27:48:23	मक	बुध	मक	22:25:23	मंगल 25/08/2024
मंगल 19/08/2024	12:09:50	कर्क व	गुरु व	कन्या	20:55:28	राहु 13/09/2025
राहु 18/02/2026	02:25:41	मीन	शुक्र	मीन	03:51:17	गुरु 20/08/2026
गुरु 20/06/2027	07:40:06	मक	शनि	मक	25:59:30	शनि 29/09/2027
शनि 19/01/2029	03:50:32	मक व	राहु	वृश्चि	26:17:53	बुध 25/09/2028
बुध 20/06/2030	03:50:32	कर्क व	केतु	वृष	26:17:53	केतु 21/02/2029
केतु 19/01/2031	18:41:39	धनु	हर्ष	धनु	25:39:34	शुक्र 23/04/2030
शुक्र 19/09/2032	22:06:56	धनु	नेप	धनु	25:42:33	सूर्य 29/08/2030
सूर्य 20/03/2033	26:38:14	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:32:42	चन्द्र 30/03/2031

लग्न-चलित

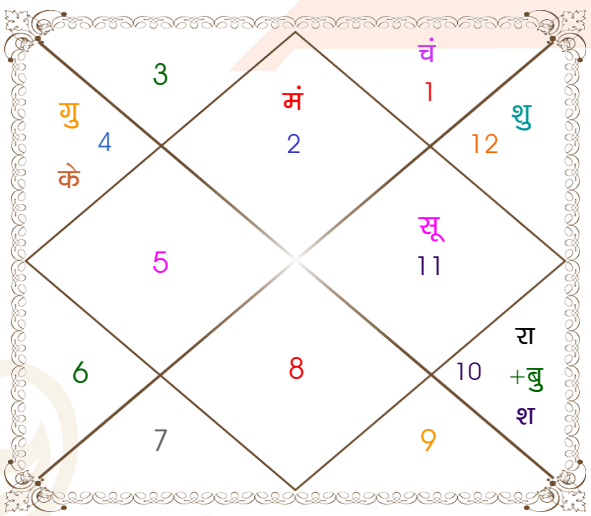

लग्न-चलित

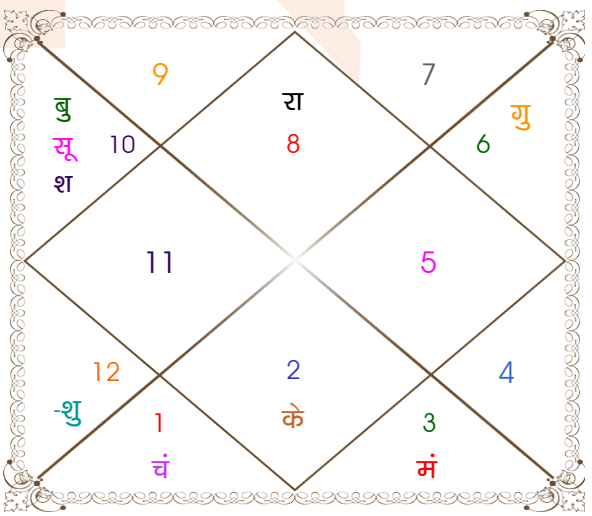

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।